हरियाणा वन विभाग के अनुसंधान मंडल और बीज मंडल के कर्मचारियों के लिए 5 सितंबर 2024 को एफ.टी.आई, पिंजौर में "Quality Seed Production and Nursery Technology" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

5 सितंबर 2024 को, हरियाणा वन विभाग के बीज और अनुसंधान मंडल के Frontline staff के लिए '**Quality Seed Production and Nursery Technology** ' पर वन वृक्ष बीज प्रयोगशाला, वन संवर्धन एवं वन प्रबंधन विभाग, भा. व. अ. शि. प. - वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून द्वारा एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य All India Coordinated Research Project 'Developing Seed Testing and Seed Storage Protocols for Selected Forestry Species from Diverse Forest Types'' के तहत हितधारकों की क्षमता निर्माण पर केंद्रित था, जिसे National CAMPA, MoEF&CC द्वारा वित्त पोषित किया गया है। इस कार्यक्रम में 20 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिसमें वन रेंज अधिकारी (FROs), डिप्टी रेंजर्स, और वन रक्षक शामिल थे।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान, **डॉ. मनीषा थपलियाल, वैज्ञानिक -जी और प्रशिक्षण समन्वयक**, ने प्रतिभागियों को संबोधित किया और नर्सरी में स्वस्थ, vigorous पौधे तैयार करने के लिए बीज की गुणवत्ता के महत्व पर जोर दिया। **श्री ओ.पी. काजल, डीसीएफ (प्रशिक्षण), पिंजौर**, ने वन अनुसंधान संस्थान द्वारा प्रशिक्षण आयोजित करने की पहल की सराहना की और प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए उन्हें इस बहुमूल्य अवसर का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया। **श्री दीपक नंदा, डीएफओ (अनुसंधान), पिंजौर** ने हरियाणा वन विभाग के कर्मचारियों के लिए बीज और नर्सरी प्रशिक्षण के महत्व पर जोर दिया, ताकि सफल पौधारोपण परिणाम सुनिश्चित किए जा सकें। उन्होंने इस प्रशिक्षण को आयोजित करने के लिए संस्थान एवं डॉ. मनीषा थपलियाल को धन्यवाद ज्ञापित किया।
डॉ. मनीषा थपलियाल, वैज्ञानिक -जी ने अपने व्याख्यान में मुख्य विषयों जैसे बीज गुणवत्ता मूल्यांकन - संग्रह, प्रसंस्करण, हैंडलिंग, और परीक्षण के बारे में बताया तथा प्रायोगिक सत्रों में बीज गुणवत्ता के परीक्षण और बीज भंडारण तकनीकों पर demonstration दिया। **डॉ. विनोद कुमार कैरोन, वैज्ञानिक-सी**, व.अ.सं. ने महत्वपूर्ण पौधारोपण प्रजातियों के लिए बुनियादी नर्सरी प्रथाएँ, नर्सरी तकनीकों, नर्सरी बेड की तैयारी, पॉटिंग मिश्रण, रोग एवं कीट प्रबंधन, सिंचाई व्यवस्थाओं पर व्याख्यान दिया।

प्रतिभागियों ने बताया कि प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल किए गए सभी विषय अत्यंत महत्वपूर्ण थे और भविष्य में प्रायोगिक रूप से सहायक साबित होंगे। डॉ. मनीषा थपलियाल ने प्रशिक्षण कार्यक्रम को सफलतापूर्वक सम्पन्न करने में योगदान देने के लिए सभी प्रतिभागियों और टीम के सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया तथा प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र वितरित किए।

प्रशिक्षण की तस्वीरें